केंद्रीय विद्यालय संगठन लखनऊ संभाग
वार्षिक परीक्षा 2023-24
विषय- हिंदी आधार
विषय कोड- 302
कक्षा- 11वीं
अंक-योजना

निर्धारित समय -3 घंटे **अधिकतम अंक- 80**

सामान्य निर्देश:-
1-अंक योजना का उद्देश्य मूल्यांकन को अधिकाधिक वस्तुनिष्ठ बनाना है|
2-खंड में दिए गए वस्तुपरक प्रश्नों के उत्तरों का मूल्यांकन निर्दिष्ट अंक योजना के आधार पर ही किया जाए|
3-खंड ब में वर्णनात्मक प्रश्नों के अंक योजना में दिए गए उत्तर बिंदु अंतिम नहीं है ये सुझावात्मक एवं सांकेतिक हैं|
4-यदि परीक्षार्थी सांकेतिक उत्तर से भिन्न, किंतु उपयुक्त उत्तर दे, तो उसे अंक दिए जाएं|
5-मूल्यांकन कार्य निजी व्याख्या के अनुसार नहीं, बल्कि अंक योजना में निर्दिष्ट निर्देशानुसार ही किया जाए|

खंड अ वस्तुपरक प्रश्न

प्रश्न 1- **1X 10=10**

I- (घ)- 1-(iii),2-(i),3-(ii)
II-(क)- कथन A सही है किंतु उसकी व्याख्या भ्रामक है|
III-(ख)-स्वयं के गुण-अवगुण को समझना
IV-(ख)-मिथ्या अभिमान के कारण
V-(क) क्षुद्र लोग
VI-(घ)- स्वयं
VII- (घ)- उदारता
VIII-(क)- निंदा करने वाले को
IX-(ख)- सुख पाने के लिए
X- (ग)- अहंकार को

प्रश्न 2- **1X5=5**

I- (क)- स्वाभिमानी होना
II- (ख)- विनम्रता
III-(घ)- तीनों ठीक हैं|
IV-(क)- कथन (A) सही है किंतु कारण (R) उसकी सही व्याख्या नहीं है|
V-(ख)- जब हम समय बीत जाने के बाद भी नम्रता दिखाते हैं|

प्रश्न 3- **1X5=5**

I-(ख)- शोर (नायज)

https://www.evidyarthi.in/

II- (घ)- पीत पत्रकारिता
III-(ग)- संवाददाता
IV-(ग)- उदंत मार्तंड
V-(क) अतःवैयक्तिक

प्रश्न 4- **1X5=5**

I-(घ) कथन 2-3 ठीक है|
II-(ग)- सावन को
III-(ग)- दुखों से जूझना
IV-(ग)- परिजनों की चिंता कम करने के लिए
V-(घ)- निराश

प्रश्न 5- **1X5=5**

I-(क)- कथन (A) सत्य है और कारण (R) उसकी पुष्टि करता है|
II-(ख)- बोलने में लगे रहना
III-(ग)- दुर्दशा को देखने के लिए
IV-(ख)- अलोपीदीन की निंदा की
V-(ग)- बढ़-चढ़कर बातें बनाना

प्रश्न 6- **1X10=10**

I-(ग) वे प्रसन्न हो उठे
II-(घ)-तीन-दो लडके,एक लड़की
III-(घ)- मिठास से
IV-(घ)- तीनों
V-(क)- उच्चारण में नाद का होना
VI-(घ)- कुंई की खुदाई और चिनाई करने वाले कारीगर को
VII-(ग)- माँ बचपन में चल बसी थी
VIII-(ख)- गोधूलि वेला में
IX-(ग) जैसलमेर
X-(ग)-पति से झगड़ा होने के कारण

खंड ब वर्णनात्मक प्रश्न

प्रश्न 7- **5**

विषयवस्तु, प्रस्तुतीकरण, शुद्ध लेखन आदि को ध्यान में रखते हुए स्व विवेक से मूल्यांकन

प्रश्न 8- **5**

पत्र की प्रारंभिक औपचारिकताएं - 1 अंक
पत्र की विषय वस्तु - 2 अंक
समापन की औपचारिकताएं - 1 अंक
सुलेख और शुद्ध लेखन - 1 अंक

प्रश्न 9- कोई दो **2X2=4**

(क)- विषय वस्तु के आधार पर शिक्षक स्व विवेक से मूल्यांकन करें|

https://www.evidyarthi.in/

(ख)- डायरी लेखन में अपने साथ बीती बातों का उल्लेख होता है बीती बातों में सत्य और तथ्य ही होते हैं कल्पनाएं नहीं यदि कोई अनुभव कल्पना लोग का हो तो उसमें भी सच्चाई चाहिए कहानी नाटक आदि में कल्पना अनिवार्य रूप से होती है

(ग)- कथा- कथा सुनने या पढ़ने के लिए होती है इसमें कथाकार और पाठक या श्रोता ही होते हैं सभी घटनाएं सभी संवाद सभी स्थितियां कथाकार सुनता है और श्रोता या पाठक सुनते या पढ़ते हैं

पटकथा- पटकथा में पटकथा लेखक और दशक के मध्य कथा की पत्र स्वयं आकर संवाद बोलते हैं निर्देशक को दिशा निर्देश मिलते हैं फिल्म निर्माता की पूरी टीम कैमरामैन तकनीकी सहायक के लिए प्रकाश ध्वनि, ठहराव अंतराल आदि की सारी सूचनाएँ होती हैं।

प्रश्न 10-कोई एक **3X1=3**

I-**शब्दकोश**-शब्दकोश शब्दों का वह विशाल संग्रह है जिसमें सभी शब्द अपने क्रम से सजे हैं तथा अपना अर्थ बता रहे हैं|वे भाषा के लिए अनुपम भंडार हैं|किसी जिज्ञासु के लिए शब्दकोश होना अनिवार्य है|

संदर्भ ग्रंथ- विविध व्यक्तियों व्यक्तित्व अथवा ज्ञान विज्ञान संबंधी जानकारी के लिखित कोश को संदर्भ ग्रंथ कहते हैं| यह कोश प्रामाणिक जानकारी के रूप में उपलब्ध होते हैं| इनमें एक साथ ढेर सारी प्रामाणिक जानकारी उपलब्ध होती है| शब्दकोश की भांति अकारादि क्रम से इनका उपयोग किया जा सकता है|

अथवा

II-प्रारूप को ध्यान में रखते हुए स्व विवेकानुसार

प्रश्न 11- **3X2=6**

क-बस्तियों को शहर की नग्नता और जड़ता से बचाने की आवश्यकता है|नग्नता के तीन आयाम हैं-

1- स्वभावगत नग्नता, 2-वेशभूषा की नग्नता,3-पेड़-रहित प्राकृतिक परिवेश|
जड़ता या 'ठंडी होती दिनचर्या' भी एक शहरी बीमारी है|शहरवासियों के जीवन में न उमंग हैं उत्साह है,न नाच है, न गान है|वे बंधी बँधाई अलगाव-भरी जिंदगी जीते हैं|

ख- चंपा नहीं चाहती कि उसकी शादी के बाद उसका पति धन कमाने के लिए कलकत्ता जाए । कलकत्ता उसके परिवार को तोड़ने वाला है, उसे उसके पति से अलग करने वाला है। वह ऐसे कलकत्ता या महानगर को सहन नहीं कर सकती। इसलिए वह कहती है कि कलकत्ता पर वज्र गिरे।

ग- दोनों बार 'चिराग' शब्द रोशनी के लिए आया है। पहली बार आया 'चिरागाँ' शब्द बहुवचन है। अतः इसका अर्थ है- ढेर सारी रोशनी तथा अत्यधिक सुख- सुविधा। कवि हर घर में ढेर सारी खुशियां देखना चाहता था|

दूसरी बार आया 'चिराग' शब्द छोटे-से एकमात्र सुख का प्रतीक है। कवि कहना चाहता है कि अब तक पूरा समाज एक नन्हे-से सुख के लिए तरस रहा है। किसी को भी कोई रोशनी नहीं मिल सकी।

https://www.evidyarthi.in/

प्रश्न 12- **2X2=4**

क- मीरा जगत की लीला को व्यर्थ मानती हैं। वह सांसारिक सुख-दुख को असार मानती हैं। फिर भी लोग उसमें लिप्त रहते हैं। यह देखकर मीरा रोती हैं।

ख- कवि ने चंपा की निम्नलिखित विशेषताओं का उल्लेख किया है-

1-भोलापन ।
2-शरारती स्वभाव।
3-मुखर स्वभाव -मन की बात को बिना छिपाए सीधे मुहँ पर कहना।
4-आत्मीयता- परिवार के साथ मिलकर रहने की भावना।
5-विद्रोही- कष्ट देने वाले के प्रति खुला विद्रोह।
ग- 'सबसे खतरनाक' शब्द के बार-बार दोहराए जाने से खतरनाक बातों के प्रति पाठकों का ध्यान अधिक गया है|वे कथन के मूल में जाने को अधिक तत्पर हुए|उनमें जिज्ञासा उत्पन्न हुई।विभिन्न बुरी परिस्थितियों में तुलना का भाव पैदा हुआ|इससे पाठक कविता में तल्लीन हो सका|

प्रश्न 13- **कोई दो** **3 X 2 =6**

क- मियाँ नसीरुद्दीन साधारण नानबाई नहीं हैं। वे खानदानी नानबाई हैं। उनके पास 56 प्रकार की रोटियाँ बनाने का हुनर है। वे तुनकी और रूमाली जैसी महीन रोटियाँ बनाना जानते हैं। वह रोटी बनाने को एक कला मानते हैं तथा स्वयं को इस कला का उस्ताद कहते हैं। उनकी बातचीत का ढंग भी महान कलाकारों जैसा है- आत्मविश्वास और फक्कड़ पन से भरपूर हैं, इसलिए उन्हें नानबाइयों का मसीहा ठीक ही कहा गया है।

ख- कुत्ते और श्रीनिवास नामक पात्र के दृश्यांकन में दर्शक यह नहीं पहचान पाए कि इनमें किसी तरकीब को अपनाया गया है। भूलो नामक कुत्ता आधे दृश्यांकन के बाद मर गया। अतः उसकी जगह उससे मिलता-जुलता एक और कुत्ता लाया गया शेष दृश्य उस पर शूट किया गया| लेखक ने यह दृश्य इतनी कुशलता से अंकित किया कि दर्शक कुत्तों के अंतर को नोट नहीं कर पाए।

श्रीनिवास नामक पात्र को मिठाई बेचने वाले की भूमिका दी गई वह भी आधे सीन के बाद चल बसा। उसकी जगह जिस पात्र को ढूंढा गया वह डीलडौल में तो श्रीनिवास जैसा था परंतु उसका चेहरा अलग प्रकार का था इसलिए दूसरे दृश्य में उसकी पीठ दिखाकर काम चलाया गया। यह तरकीब इतनी कारगर रही कि दर्शक पात्र के अंतर को समझ नहीं पाए।

ग- कर्जन के इस्तीफे के दो कारण हैं-

1- बंग-भंग की योजना को मनमाने ढंग से लागू करने के कारण सारे भारतवासी उसके विरुद्ध उठ खड़े हुए। इससे कर्जन की जड़ें हिल गईं। वह इंग्लैंड वापस जाने के बहाने खोजने लगा।

2- कर्जन ने इंग्लैंड में एक फौजी अफसर को अपनी इच्छा से नियुक्त कराना चाहा। उसकी सिफारिश को अनसुना कर दिया गया इससे क्षुब्ध होकर उसने इस्तीफा देने की पेशकश कर दी और इंग्लैंड के शासक ने उसका इस्तीफा स्वीकार कर लिया।

https://www.evidyarthi.in/

प्रश्न 14- कोई दो **2X 2 = 4**

क- धनराम स्वयं को नीची जाति का तथा मोहन को ऊँची जाति का समझता था। दूसरे, मोहन कक्षा में उससे अधिक होशियार था। इसलिए मास्टर त्रिलोक सिंह ने उसे कक्षा का मॉनीटर बना दिया था। तीसरे, मास्टर जी कहा करते थे कि वह एक दिन बड़ा होकर उनके तथा स्कूल का नाम करेगा। इन सब बातों के कारण धनराम मोहन से स्पर्धा नहीं करता था। उसने उसे अपने से ऊँचा मान लिया था।

ख-नेहरू जी भारत के सभी किसानों से निम्नलिखित प्रश्न बार-बार करते थे-
*'भारत माता की जय'नारे का क्या अर्थ है?
*यह भारत माता कौन हैं?
*वह धरती कौन-सी है,जिसे वे 'भारत माता' कहते हैं-गाँव की,जिले की,सूबे की या पूरे हिंदुस्तान की?

ग- पथेर पांचाली फिल्म की शूटिंग का काम ढाई साल तक इसलिए चला क्योंकि-

1- लेखक एक विज्ञापन कंपनी में नौकरी करता था इसलिए समय कम मिल पाता था।
2- धन का अभाव बना रहता था। 3-बीच-बीच में पात्रों, स्थान आदि की समस्याएँ आ जाती थीं।

प्रश्न 15- कोई एक **3X1=3**

क- इस सफ़र में बेबी ने जान लिया था कि रिश्ते दिलों से बनते हैं|तातुश उसे दिल से चाहते थे|उन्होंने उसे बेटी बनाकर रखा था| उसे किसी चीज की कमी नहीं होने दी| इस घर से पहले वह अनेक जगह किराए के मकानों में रही|मगर हर जगह उसने लोगों की गंदी नज़रों का सामना किया|हर आदमी उसकी मजबूरी का फायदा उठाना चाहता था|औरतों ने भी उसका दर्द कम ही समझा|हर समय उसके पति के बारे में पूछताछ होती रहती थी|बाप तथा भाईयों ने भी उसके बुरे वक्त में मुहँ फेर लिया|

अथवा

ख- पालरपानी- पालरपानी का अर्थ है बरसात का सीधे रूप में मिलने वाला पानी। यह पानी नदियों, तालाबों, कृत्रिम जलाशयों , बड़े-बड़े गड्ढों में रुक जाता है। इस पानी को उपयोग में नहीं लाया जा सकता। खुले में होने के कारण यह पानी जल्दी गंदा हो जाता है। अधिकांश पानी भाप बनकर उड़ जाता है। बहुत सारा पानी भूमि के अंदर चला जाता है।

पातालपानी- जो पानी भूमि में जाकर भूजल में मिल जाता है। उसे पातालपानी कहते हैं। इस पानी को कुएं, पंपों द्वारा निकाला जाता है।

रेजाणीपानी- पालरपानी और पातालपानी के बीच में पानी का तीसरा रूप है रेजाणीपानी। धरातल से नीचे जाकर पाताल पानी में ना मिलकर बीच में ही नमी के रूप में रह जाने वाला पानी रेजाणीपानी कहलाता है। भूमि के अंदर खड़िया पत्थर की सतह के कारण यह पानी पाताल पानी में नहीं मिल पाता। इसी पानी को कुइयों के माध्यम से इकट्ठा किया जाता है।

https://www.evidyarthi.in/